बहुचर्चित इकोनॉमिक कॉरिडोर का पहले चरण का काम शुरू

267 करोड़ से 14 किलोमीटर लंबी एवं ढाई सौ फीट चौड़ी सड़क का हो रहा निर्माण

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर में एयरपोर्ट से लेकर राष्ट्रीय राजमार्ग से जुड़ने वाली बहुचर्चित इकोनॉमिक कॉरिडोर सड़क का काम शुरू हो गया है. पहले चरण में 14 किलोमीटर से ज्यादा लंबी एवं ढाई सौ फीट चौड़ी सड़क बनाई जा रही है, जिसका ठेका 267 करोड़ रुपए में दिया गया है. खास बात यह है कि उक्त सड़क निर्माण की पूरी योजना 2360 करोड़ रुपए की है.

मध्यप्रदेश इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन द्वारा बहुचर्चित और पीथमपुर के उद्योगों के लिए जीवन रेखा इकोनॉमिक कॉरिडोर सड़क का निर्माण कर रहा है. उक्त इकोनॉमिक कॉरिडोर के पहले चरण का काम ग्राम सिंदौड़ा एवं सिंदौड़ी में शुरू हो गया है. उक्त सड़क का 14.7 किलोमीटर लंबी और 75 मीटर यानि 250 फीट चौड़ी सड़क का निर्माण 267 करोड़ रुपए की लागत से किया जा रहा है. इकोनॉमिक कॉरिडोर सड़क बनाने का ठेका मेसर्स उदित ग्रुप ऑफ कम्पनीज को दिया गया है. फिलहाल सड़क के मुख्य कैरेज वे का निर्माण शुरू कर दिया गया है. ध्यान रहे कि इकोनॉमिक कॉरिडोर 1300 हेक्टेयर जमीन पर विकसित किया जाएगा. मुख्य सड़क 8 लेन और दोनों तरफ दो-दो लेन सर्विस रोड का निर्माण होगा. साथ ही सड़क के बीच में प्रस्तावित मैट्रो रेल निर्माण के लिए भी जगह रखी जा रही है. उक्त योजना में 17 गांव की जमीन ली गई है और किसानों को विकसित जमीन के कुल 60 प्रतिशत प्लॉट दिए जाएंगे. सड़क के दोनों तरफ तीन-तीन सौ मीटर में व्यवसायिक गतिविधियों होटल, ढाबा, मॉल, कॉरपोरेट ऑफिस एवं बहुमंजिला इमारतों के निर्माण हेतु विकसित प्लॉट भी उपलब्ध होंगे.

इसके अलावा एयरपोर्ट से पीथमपुर एवं राष्ट्रीय राजमार्ग इंदौर मुंबई एवं इंदौर -अहमदाबाद से इकोनॉमिक कॉरिडोर की सीधी कनेक्टिविटी होगी.

दो साल में पूरा करने का लक्ष्य- एमपीआईडीसी प्रोजेक्ट कार्यपालन यंत्री भावेश अग्रवाल ने बताया कि पहले चरण का काम मुख्यमंत्री द्वारा भूमिपूजन के बाद शुरू कर दिया गया है. उक्त सड़क का संपूर्ण विकास 2 दो साल में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है. इकोनॉमिक कॉरिडोर के बीच में एम आर-10 सड़क की तरह ही बीच में मेट्रो रेल लाइन की जगह छोड़ी जा रही है. कुल 12 लेन चौड़ी सड़क का निर्माण होगा.

कॉरिडोर की विशेषता

इंदौर-पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर सड़क 75 मीटर चौड़ी, 20 किलोमीटर लंबी बनेगी. उक्त सड़क के दोनों ओर 300-300 मीटर में व्यवसायिक प्लॉट विकसित किए जाएंगे. इस योजना को 1300 हेक्टेयर से ज्यादा जमीन विकसित किया जा रहा है. उक्त सड़क की पूरी लागत 2360 करोड़ है. सड़क निर्माण के बाद पीथमपुर इंडस्ट्रियल एरिया में निवेश से सीधे एयरपोर्ट तक कार्गो सेवाएं एवं राष्ट्रीय राजमार्ग से कंटेनरों की आवाजाही बहुत बढ़ने की संभावना है. साथ ही इकोनॉमिक कॉरिडोर में जमीन देने वाले किसानों को प्रत्यक्ष एवं दीर्घकालिक आर्थिक लाभ भी मिलेगा.

हरियाली के दावों पर सवाल, सड़क निर्माण के लिए काटे विकसित पेड़

विशेषज्ञ बोले...पेड़ बचाना हो पहली प्राथमिकता

नवभारत न्यूज़

इंदौर. एक ओर शहर में हरियाली बढ़ाने के लिए बड़े स्तर पर पौधारोपण अभियान चलाए जा रहे हैं. जनप्रतिनिधि, अधिकारी और आम नागरिक पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पौधे लगा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर विकास कार्यों के नाम पर वर्षों पुराने और विकसित पेड़ों की कटाई इन प्रयासों पर सवाल खड़े कर रही है.

ताजा मामला न्यू पलासिया क्षेत्र की आंतरिक सड़क का है, जहां सड़क निर्माण के लिए 10 से अधिक बड़े पेड़ों को काटकर ठूंठ बना दिया गया, स्थानीय लोगों का कहना है कि बेहतर तकनीकी योजना के जरिए कई पेड़ों को बचाया जा सकता था या जरूरत पड़ने पर उनका ट्रांसप्लांटेशन किया जा सकता था.

डॉ. दिलीप वागेला

पर्यावरणविद डॉ. दिलीप वागेला का कहना है कि पलासिया कभी अपनी सघन हरियाली और पुराने पेड़ों के लिए जाना जाता था, लेकिन विकास कार्यों के नाम पर लगातार परिपक्व वृक्षों की कटाई हो रही है. उनका कहना है कि जहां संभव हो, परियोजनाओं के डिजाइन में बदलाव कर पेड़ों को बचाना पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। केवल ट्रांसप्लांटेशन को समाधान नहीं माना जा सकता, क्योंकि पुराने पेड़ों का पारिस्थितिक महत्व और उनकी छाया का विकल्प तुरंत तैयार नहीं होता. उन्होंने कहा कि जिन पेड़ों को बचाना संभव न हो, उनका वैज्ञानिक तरीके से विशेषज्ञों की निगरानी में ट्रांसप्लांटेशन किया जाना चाहिए. यदि इंदौर को हरियाली में भी अग्रणी बनाना है, तो विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाना अनिवार्य होगा.

पुराने पेड़ बचाने कितने गंभीर प्रयास?

अब सवाल यह है कि जब शहर को हरियाली में भी नंबर वन बनाने का लक्ष्य है, तब विकास कार्यों के दौरान वर्षों पुराने पेड़ों को बचाने के लिए कितनी गंभीरता से प्रयास किए जा रहे हैं।

विदेश यात्रा हुई और किफायती, इंदौर से अबूधाबी की सीधी उड़ान ने बदला हवाई सफर का गणित

नवभारत

इंदौर. इंदौर से शुरू हुई एयर इंडिया एक्सप्रेस की नई सीधी अंतरराष्ट्रीय उड़ान ने यात्रियों को दोहरी राहत दी है. एक ओर जहां अब यूएई के लिए बिना किसी स्टॉप के सफर संभव हो गया है, वहीं दूसरी ओर किराया भी कई घरेलू हवाई मार्गों के बराबर या उससे कम रहने लगा है. शुक्रवार को संचालित इंदौर-अबूधाबी उड़ान का किराया करीब 12,500 रुपये दर्ज किया गया, जिसने यात्रियों का ध्यान खींचा.

यात्रा विशेषज्ञों का कहना है कि छुट्टियों और व्यस्त सीजन में देश के कई प्रमुख पर्यटन स्थलों के लिए हवाई टिकट 12 से 15 हजार रुपये या उससे अधिक तक पहुंच जाते हैं. ऐसे में लगभग इसी किराए में विदेश की सीधी यात्रा का विकल्प मिलने से यात्रियों का रुझान तेजी से इस रूट की ओर बढ़ सकता है. इंदौर से बड़ी संख्या में व्यवसायी, नौकरीपेशा लोग और प्रवासी परिवार यूएई की यात्रा करते हैं. अब तक उन्हें अहमदाबाद, मुंबई, दिल्ली या अन्य शहरों से कनेक्टिंग फ्लाइट लेनी पड़ती थी. नई सीधी उड़ान शुरू होने से समय की बचत होगी और यात्रा पहले की तुलना में अधिक सुविधाजनक हो जाएगी.

उड़ान का रहेगा यह शेड्यूल- इंदौर-अबूधाबी: सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को शाम 7.50 बजे इंदौर से प्रस्थान, यूएई के स्थानीय समयानुसार रात 9.35 बजे अबूधाबी आगमन. रविवार को उड़ान एक घंटे देरी से संचालित होगी.

अबूधाबी-इंदौर: सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को स्थानीय समयानुसार रात 10.35 बजे प्रस्थान, भारतीय समयानुसार रात 3.20 बजे इंदौर आगमन. रविवार को यह उड़ान भी एक घंटे देरी से संचालित होगी.

पसंदीदा रूटों में हो सकता है शामिल

एविएशन विशेषज्ञों का मानना है कि यदि शुरुआती दौर में किराए प्रतिस्पर्धी बने रहते हैं, तो यह सेवा मध्य भारत के यात्रियों के लिए सबसे पसंदीदा अंतरराष्ट्रीय रूटों में शामिल हो सकती है. इससे इंदौर एयरपोर्ट की अंतरराष्ट्रीय कनेक्टिविटी को भी नई मजबूती मिलेगी और व्यापार, पर्यटन तथा रोजगार के अवसरों को बढ़ावा मिलेगा.

एक नजर में

क्षितिज साहित्य संस्था द्वारा वर्ष 2026 के सम्मान घोषित

इंदौर. दीपक गिरकर सचिव क्षितिज साहित्य संस्था इंदौर ने बताया कि वर्ष 1983 से लघुकथा विधा के संवर्धन के लिए कार्यरत साहित्यिक संस्था क्षितिज साहित्य संस्था के द्वारा वर्ष 2026 के लिए सम्मान घोषित कर दिए गए हैं. पवन शर्मा- जुन्नारदेव जिला छिंदवाड़ा को क्षितिज लघुकथा शिखर सम्मान, नेतराम भारती गाज़ियाबाद को क्षितिज लघुकथा समालोचना सम्मान, डॉ. वसुधा गाडगिल इंदौर को प्रदेश स्तरीय क्षितिज लघुकथा समग्र सम्मान, विजय सिंह चौहान इंदौर को क्षितिज लघुकथा नवलेखन सम्मान 15 नवम्बर को होने वाले वार्षिक कार्यक्रम में प्रदान किए जाएंगे. इसके अतिरिक्त देश/प्रदेश के कुछ प्रमुख साहित्यकारों को उनके साहित्यिक अवदान के लिए भी सम्मानित किया जाएगा.

धर्मचक्र प्रवर्तन कार्यशाला में ध्यान व आत्मज्ञान का प्रसार

इंदौर. पिरामिड स्पिरिचुअल सोसायटीज़ मूवमेंट (क्रस्स्) एवं पीएमसी हिंदी के संयुक्त तत्वावधान में खजराना गणेश मंदिर के प्रवचन हॉल में आयोजित एक दिवसीय धर्मचक्र प्रवर्तन कार्यशाला सम्पन्न हुई. लगभग 300 साधकों ने सहभागिता कर ध्यान, आत्मचिंतन एवं आध्यात्मिक ज्ञान का लाभ प्राप्त किया. कार्यक्रम की मुख्य वक्ता सीनियर पिरामिड मास्टर एवं थर्ड आई मास्टर रागिनी सेलवराज ने ध्यान की वैज्ञानिक एवं आध्यात्मिक विधि, कर्म सिद्धांत, विचारों की शक्ति तथा आत्मज्ञान के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला. उन्होंने बताया कि धर्मचक्र प्रवर्तन का उद्देश्य प्रत्येक व्यक्ति को ध्यान के माध्यम से आत्मबोध, आंतरिक शांति एवं सत्य के मार्ग पर अग्रसर करना है. जब मनुष्य स्वयं को जान लेता है, तभी उसके जीवन में वास्तविक परिवर्तन का आरंभ होता है. कार्यक्रम में इंदौर से पीएमसी हिंदी से जुड़े मेडिटेशन मास्टर्स चित्रांशी जी, शीतल ओसवाल, अरविंद वाघमारे एवं प्रतिभा जोशी ने आयोजन को सफल बनाने में भूमिका निभाई. वहीं भोपाल से पधारी पिरामिड मास्टर वंदना जैन ने भी अपने अनुभवों एवं आध्यात्मिक विचारों से साधकों को प्रेरित किया.

नथिंग फोन 4बी की बिक्री शुरू

इंदौर. लंदन स्थित कंज्यूमर टेक्नोलॉजी ब्रांड नथिंग ने अपने नए (बी) सीरीज़ के पहले स्मार्टफोन फोन (4बी) की बिक्री शुरू होने का ऐलान किया है। कंपनी ने कहा कि नथिंग इकोसिस्टम का अनुभव लेने का यह सबसे किफायती तरीका है. 8जीबी + 128जीबी वेरिएंट की प्रभावी शुरुआती कीमत 29,999 रुपये और 8जीबी + 256जीबी वेरिएंट की 33,699 रुपये रखी गई है. फोन (4बी) की बिक्री 14 जुलाई से फ्लिपकार्ट और प्रमुख रिटेल पार्टनर्स जैसे क्रोमा, रिलायंस डिजिटल और विजय सेल्स के स्टोर्स पर शुरू होगी। फोन 4बी सीरीज़ की कामयाबी को आगे बढ़ाते हुए फोन (4बी) में नथिंग का सिग्नेचर पारदर्शी डिज़ाइन और ग्लिफ इंटरफेस दिया गया है। इसके साथ दमदार स्नैपड्रैगन परफॉर्मेंस, हर तरह की ज़रूरतों के लिए मुफीद कैमरा सिस्टम, शानदार एमोलेड डिस्प्ले और एसेंशियल एआई टूल्स के साथ पूरा नथिंग ओएस एक्सपीरियंस मिलता है. नथिंग इकोसिस्टम में कदम रखने वाले यूज़र्स के लिए फोन (4बी) को एक बेहतरीन शुरुआती डिवाइस के तौर पर तैयार किया गया है. इसमें स्नैपड्रैगन 6 जेन 4 मोबाइल प्लेटफॉर्म, नथिंग की अब तक की सबसे बड़ी 6,000 एमएएच बैटरी, ट्रूलेंस इंजन 4 से लैस 50एमपी ओआईएस मेन कैमरा दिया गया है.

वरिष्ठ नागरिकों के लिए स्वास्थ्य शिविर, 25 को

इंदौर. वरिष्ठ नागरिकों के बेहतर स्वास्थ्य और समय पर रोगों की पहचान के उद्देश्य से 25 जुलाई को स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया जाएगा. वरिष्ठ नागरिक साईंधाम पारमार्थिक ट्रस्ट, मालवा वरिष्ठ नागरिक मंच, शांति अवेदना ट्रस्ट, कैंसर एवं स्टेम सेल अनुसंधान संस्थान तथा भारतीय निवारक कैंसर संस्थान (आईआईपीओ) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होने वाला यह शिविर संस्था कार्यालय, मिशिका टावर, सपना-संगीता रोड इंदौर पर सुबह 10 से दोपहर दो बजे तक रहेगा. आईआईपीओ डायरेक्टर स्नेहा मंडलोई ने बताया कि शिविर में वरिष्ठ नागरिकों को विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा परामर्श, संपूर्ण स्वास्थ्य परीक्षण एवं स्वास्थ्य संबंधी मार्गदर्शन दिया जाएगा. वरिष्ठ नागरिक साईधाम पारमार्थिक ट्रस्ट, इंदौर के संस्थापक न्यासी एवं अध्यक्ष रमेश कुमार शर्मा ने बताया कि शिविर में संपूर्ण शारीरिक परीक्षण भी सुविधा भी उपलब्ध रहेगी. मालवा वरिष्ठ नागरिक मंच के डॉ. ऋतुराज टोंग्या ने बताया कि इस अवसर पर फ्लू, निमोनिया, हार्पिज, हिपेटाइट्स बी के टीके भी लगाए जाएंगे।

जूनियर आर्टिस्ट्स को मिल रहा रचनात्मक मंच

कलाकक्ष आर्ट गैलरी में कलात्मक गतिविधियों का आयोजन

इंदौर. शहर में कला और संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संचालित इंदौर की अनूठी आर्ट गैलरी 'कलाकक्ष' में रविवार को वॉटर कलर पेंटिंग एवं पॉटरी वर्कशॉप का आयोजन किया गया. कार्यशाला में बच्चों और युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया.

कलाकक्ष की संचालक चंदना भार्गव ने बताया कि संस्था का मुख्य उद्देश्य उभरते हुए जूनियर आर्टिस्ट्स को ऐसा मंच उपलब्ध कराना है, जहाँ वे अपनी कला को निखार सकें और अनुभवी कलाकारों के मार्गदर्शन में नई तकनीकों को सीख सकें. उन्होंने बताया कि कलाकक्ष में प्रत्येक रविवार को विभिन्न कला विधाओं पर

आधारित वर्कशॉप आयोजित की जाती हैं, ताकि लोग अपने वीकेंड का रचनात्मक और सकारात्मक उपयोग कर सकें. उन्होंने कहा कि आज के डिजिटल दौर में अधिकांश बच्चे मोबाइल और अन्य स्क्रीन तक सीमित होते जा रहे हैं. ऐसे समय में पॉटरी जैसी गतिविधियाँ उन्हें मिट्टी से जुड़ने, अपनी कल्पनाशीलता को आकार देने और धैर्य व एकाग्रता विकसित करने का अवसर प्रदान करती हैं. वहीं वॉटर कलर पेंटिंग के माध्यम से बच्चों ने रंगों की बारीकियों और अभिव्यक्ति की कला को भी सीखा.

बच्चे, युवा कला से जुड़ें

कलाकक्ष में आयोजित होने वाली वर्कशॉप, आर्ट क्लासेस, समर कैंप और विंटर कैंप का संचालन वरिष्ठ कलाकार रेनू भार्गव के मार्गदर्शन में किया जाता है. उनके अनुभव और प्रशिक्षण से बच्चों को कला की विभिन्न विधाओं को समझने और अपनी प्रतिभा को निखारने का अवसर मिल रहा है। आयोजकों के अनुसार भविष्य में भी नियमित रूप से ऐसी रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक बच्चे और युवा कला से जुड़ सकें.

भावनात्मक नाटक संध्या छाया का मंचन 23 को

इंदौर. आनंदमोहन माथुर चैरिटेबल ट्रस्ट के सौजन्य से रंगमंच आर्ट ऑफ़ ड्रामा द्वारा 23 जुलाई को आनंद मोहन माथुर सभागृह में मराठी नाटककार जयवंत दलवी के चर्चित नाटक संध्या छाया का मंचन किया जाएगा. नाटक का निर्देशन वरिष्ठ रंगकर्मी संदीप दुबे कर रहे हैं. संध्या छाया बदलते सामाजिक परिवेश में उन बुजुर्ग माता-पिता की भावनात्मक कहानी को मंच पर प्रस्तुत करता है, जिनके बच्चे उच्च शिक्षा या रोजगार के लिए विदेश जाकर वहीं बस जाते हैं. जीवनभर बच्चों के लौटने की आस लगाए बैठे माता-पिता की संवेदनाएं, अकेलापन और रिश्तों की बदलती तस्वीर इस नाटक की मुख्य विषयवस्तु है. यह प्रस्तुति दर्शकों को पारिवारिक मूल्यों, भावनात्मक संबंधों और बुजुर्गों के प्रति अपनी जिम्मेदारियों पर गंभीरता से सोचने के लिए प्रेरित करेगी. नाटक का प्रकाश संयोजन ओम कुमार तथा संगीत संयोजन प्रिया झाला द्वारा किया गया है. मुख्य भूमिकाओं में संदीप दुबे, सपना जोशी, वेदांत विजयवर्गीय, ओपी सोमानी, देवेश श्रीवास्तव, आदित्य जैन, लावण्या साहू एवं पुलकित त्रिपाठी अपनी अभिनय प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे. आयोजकों ने बताया कि नाटक के प्रवेश पत्र पूर्णत: नि:शुल्क उपलब्ध हैं. इच्छुक दर्शक इन्हें मधुरम स्वीट्स (छप्पन दुकान) एवं संगम स्टूडियो, इंद्रप्रस्थ टावर से प्राप्त कर सकते हैं.

पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

संस्था सृष्टि सेवा संकल्प ने किया पौधारोपण

इंदौर, सामाजिक संगठन सृष्टि सेवा संकल्प द्वारा पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सिंगापुर टाउनशिप स्थित साई सिटी में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया. यह आयोजन संगठन के पदाधिकारी विनय तिवारी के जन्मदिन के अवसर पर किया गया, जिसमें एक पेड़ पर्यावरण के नाम अभियान के तहत पौधे लगाए गए.

कार्यक्रम में संगठन के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री प्रशांत गुप्ता, राष्ट्रीय महामंत्री रितेश तिवारी सहित संगठन के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे. सभी ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया और लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनकी नियमित देखभाल करने की अपील की. इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल पौधे

लगाने तक सीमित नहीं है, बल्कि उनका संरक्षण और संवर्धन भी प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है. सृष्टि सेवा संकल्प लगातार जनजागरण के माध्यम से हरियाली बढ़ाने और पर्यावरण के प्रति लोगों को जागरूक करने का कार्य कर रहा है. पौधारोपण के माध्यम से जन्मदिन मनाने की इस पहल की सभी ने सराहना की. कार्यक्रम में प्रमुख रूप से कैलाश रावत (पुजारी), अवधेश शर्मा, यतिन भाई, नीरज द्विवेदी, विनय तिवारी, संजय तिवारी, प्रेम सिंह, निलेश जोशी, पंडित दिनेश शर्मा, पंडित आनंद गुरु, महेश नगर, मनीष गुप्ता, रामनिवास यादव एवं वीर राजावत सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे.

जैनाचार्य विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी का मंगल प्रवेश

सरकार ने राजकीय अतिथि का दर्जा दिया

इंदौर. चातुर्मास के लिए गच्छाधिपति जैनाचार्य नित्यसेनसूरीश्वर की भव्य मंगल प्रवेश शोभायात्रा निकाली गई. शोभायात्रा राजवाड़ा से शुरू होकर महावीर बाग केसरी वाटिका पहुँची. दो किलोमीटर लंबी शोभायात्रा में डीजे रथ, घोड़े, ऊँट, बैंड, पाठशाला के बच्चे, महिला मंडल, ऑर्केस्ट्रा, आकर्षक झांकियाँ तथा चार विशाल बैंड विशेष आकर्षण रहे.

शोभा यात्रा के बाद जैनाचार्य ने धर्मसभा को सम्बोधित किया. उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश की पावन धरा पर अब तक 22 चातुर्मास करने का सौभाग्य प्राप्त होना गर्व की बात है. उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से आग्रह किया कि इस चातुर्मास में अधिक से अधिक धर्म आराधना करें. धर्मसभा में मौजूद उद्योग मंत्री चैतन्य काश्यप ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की ओर से घोषणा करते हुए कहा कि आचार्य श्रीमद् विजय नित्यसेनसूरीश्वर को मध्य प्रदेश प्रवास की अवधि तक राजकीय अतिथि का दर्जा प्रदान किया गया है तथा उन्हें समस्त राजकीय सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएंगी.

एक नजर में

धनश्री लेले, प्रथमेश लघाटे और मुग्धा वैशंपायन ने सानंद के श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया

बोलावा विट्ठल में बही भक्ति और सुरों की सरिता

इंदौर. सानंद न्यास, इंदौर एवं पंचम निषाद, मुंबई के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित स्वरभक्ति संध्या बोलावा विठ्ठल ने रविवार को लोकमाता देवी अहिल्या सभागृह में भक्ति, संगीत और संतवाणी का ऐसा समागम प्रस्तुत किया, जिसने श्रोताओं को आध्यात्मिक आनंद से सराबोर कर दिया. कार्यक्रम का शुभारंभ संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाडे ने दीप प्रज्वलित कर किया.

कार्यक्रम की विशेष पहचान रहीं प्रख्यात वक्ता एवं भारतीय संस्कृति की विदुषी डॉ. धनश्री लेले. उन्होंने संत ज्ञानेश्वर, संत तुकाराम और वारकरी परंपरा के प्रसंगों को अत्यंत सहज, प्रभावशाली और भावपूर्ण शैली में प्रस्तुत करते हुए पूरे कार्यक्रम को एक सूत्र में पिरोए रखा. उनके विद्वत्ता पूर्ण किंतु सरल सूत्र संचालन ने प्रत्येक अभंग की भावभूमि को श्रोताओं तक पहुंचाया. उनके कथन, प्रसंग और संत साहित्य की व्याख्या ने संगीत के साथ अध्यात्म का अद्भुत संगम उपस्थित किया. झी मराठी के

लोकप्रिय कार्यक्रम लिटिल चैंप्स से अपनी पहचान बनाने वाले युवा गायक प्रथमेश लघाटे ने अपने सशक्त और सुरमय अभंग गायन से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया. उनकी प्रस्तुतियों पर सभागार बार-बार तालियों से गूंज उठा. प्रतिभाशाली गायिका और उनकी पत्नी मुग्धा वैशंपायन ने अपनी मधुर, सुमधुर और भावपूर्ण आवाज़ से भक्ति संगीत को नई ऊंचाइयां दीं. उनकी सहज गायकी, स्पष्ट उच्चारण और भावों की गहन अभिव्यक्ति ने अभंगों को जीवंत बना दिया. उनकी प्रस्तुतियों ने श्रोताओं के मन में विठ्ठल भक्ति का भाव और अधिक प्रगाढ़ कर दिया. प्रथमेश लघाटे और मुग्धा वैशंपायन की युगल प्रस्तुतियां कार्यक्रम का सबसे आकर्षक पक्ष रहीं. दोनों कलाकारों की सुरों की जुगलबंदी, लयबद्धता और मंच पर सहज सामंजस्य ने ऐसा वातावरण निर्मित किया कि पूरा सभागार विठ्ठल... विठ्ठल... के जयघोष और तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा. श्रोताओं ने देर तक दोनों कलाकारों का उत्साहवर्धन किया. सानंद न्यास के अध्यक्ष जयंत भिसे एवं सचिव संजीव वावीकर ने कहा कि बोलावा विठ्ठल का उद्देश्य संत साहित्य, वारकरी परंपरा और भक्तिसंगीत की समृद्ध विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाना है. इंदौर के संगीतप्रेमियों और रसिक श्रोताओं की उल्लेखनीय उपस्थिति ने इस आयोजन को यादगार बना दिया.

संभागीय बॉक्सिंग चैंपियनशिप सम्पन्न

इंदौर. नेहरू स्टेडियम में आयोजित हुई दो दिवसीय इंदौर संभागीय बॉक्सिंग चैंपियनशिप का रविवार को समापन हुआ. रविवार को खेले गए फाइनल मैचों में 48-50 किलो की सब जूनियर कैटेगरी में विजय ने जीत हासिल की। जूनियर वर्ग में रुद्राक्ष बहाना जीते. दिव्यांश विश्वकर्मा ने यूथ वर्ग में प्रथम स्थान हासिल किया. सीनियर वर्ग में हर्षित चैंपियन बने.